डॉ. डेव मैथ्यूसन, न्यू टेस्टामेंट लिटरेचर, व्याख्यान 16, 1 कुरिन्थियों

© 2024 डेव मैथ्यूसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. डेव मैथ्यूसन अपने न्यू टेस्टामेंट इतिहास और साहित्य पाठ्यक्रम, 1 कुरिन्थियों पर व्याख्यान 16 में हैं।

ठीक है, चलिए आगे बढ़ें और शुरुआत करें।

पिछली कक्षा की अवधि हमने शुरू की थी, वास्तव में, पिछले हफ्ते हमने पॉल के पत्रों को देखना शुरू किया था, जो न्यू टेस्टामेंट में अधिक महत्वपूर्ण कॉर्पोरा में से एक है या प्रेरित पॉल के पत्रों वाले अनुभागों में से एक है, एक आकृति जिसे हमने अधिनियमों की पुस्तक में पेश किया है . और हमने पिछली कक्षा की अवधि को देखना शुरू किया, हमने 1 कुरिन्थियों की पुस्तक को देखना शुरू किया, और मैं धीमा करना चाहता हूं। यह उन पुस्तकों में से एक है जिन्हें हम धीमा करेंगे और एक जोड़े को देखेंगे, एक नमूना पाठ को थोड़ा और विस्तार से, वास्तव में तीन या चार अध्याय या 1 कुरिन्थियों के खंड अधिक विस्तार से यह जांचने के लिए कि मुद्दा या समस्या क्या थी पॉल का संबोधन और उन्होंने इसे कैसे संबोधित किया और आपकी, यह उजागर करने की हमारी क्षमता कि समस्या या मुद्दा क्या हो सकता है, यह हमारे द्वारा वास्तव में पाठ की व्याख्या करने के तरीके में कैसे अंतर ला सकता है।

कुछ उदाहरणों में, यह वास्तव में एक ऐसी समझ का परिणाम हो सकता है जो पहली बार पढ़ने या जिस पढ़ने के आप आदी हो सकते हैं, उससे बहुत अलग है। लेकिन आइए प्रार्थना के साथ शुरुआत करें और फिर हम 1 कुरिन्थियों के कुछ खंडों पर अधिक विशेष रूप से नज़र डालेंगे।

पिता, हमें एहसास है कि हम एक कठिन और नम्र कार्य का सामना कर रहे हैं, और वह है आपके शब्दों और आपके भाषण और हमारे लिए संचार से कम कुछ भी नहीं समझने, विश्लेषण करने और कुश्ती करने का प्रयास करना। इसलिए, पिता, मैं प्रार्थना करता हूं कि हम पाठ के साथ संघर्ष करने और पाठ और अपने बारे में कठिन प्रश्न पूछने के लिए तैयार रहें। और भगवान, कि हम सबसे बड़ी पीड़ा उठाएंगे और उन्हें यथासंभव स्पष्ट और सटीक रूप से समझने के लिए जो भी आवश्यक होगा वह करेंगे। यीशु के नाम पर, हम प्रार्थना करते हैं। तथास्तु।

ठीक है। इसलिए, हमने 1 कुरिन्थियों को 1 कुरिन्थियों के दृष्टिकोण से देखकर समाप्त किया, जो पॉल और कुरिन्थियों के बीच चल रहे संचार का केवल एक हिस्सा था।

हम, फिर से, आप प्रेरितों के काम अध्याय 18 में पढ़ते हैं, आप कुरिन्थियों की पृष्ठभूमि के बारे में या पॉल की कुरिन्थ की पहली यात्रा पर कुरिन्थियों के पत्र के बारे में अधिक विस्तार से पढ़ सकते हैं, जहाँ उन्होंने लगभग डेढ़ साल वहाँ एक चर्च की स्थापना में बिताया। और फिर चर्च में उत्पन्न होने वाले कुछ कारकों और कुछ मुद्दों के कारण, पॉल को पत्रों की एक श्रृंखला लिखकर उन

समस्याओं और मुद्दों को संबोधित करना आवश्यक लगता है। और हमने कहा कि तकनीकी रूप से हमारा 1 कोरिंथियन वास्तव में 2 कोरिंथियन है।

1 कुरिन्थियों में उस पत्र का उल्लेख है जिसे पॉल ने स्पष्ट रूप से पहले लिखा था कि अब हमारे पास कोई विकल्प नहीं है, हमारी कोई पहुंच नहीं है। तो, 1 कुरिन्थियन तकनीकी रूप से 2 कुरिन्थियन है। जिसे हम 2 कोरिंथियन कहते हैं वह तकनीकी रूप से 4 कोरिंथियन है क्योंकि 2 कोरिंथियन का उल्लेख है, हम 2 कोरिंथियन को बाद में देखेंगे, लेकिन 2 कोरिंथियन एक गंभीर पत्र का उल्लेख करते हैं जो वास्तव में कुछ व्यक्तियों को लगता है कि इसे एक अन्य पत्र के साथ जोड़कर 2 कोरिंथियन बना दिया गया है।

हम इसके बारे में बाद में बात करेंगे, लेकिन यह मानते हुए कि 2 कुरिन्थियों में उल्लिखित गंभीर पत्र एक अलग पत्र है, तो हमारे पास कम से कम 4 पत्र हैं जो पॉल ने कुरिन्थियों को लिखे थे, जिनके बारे में हम जानते हैं। पुनः, उनमें से केवल 2 ही अस्तित्व में हैं या मौजूद हैं जिन्हें हम 1 और 2 कोरिंथियन कहते हैं। तो, इसका मतलब यह है कि जो कुछ चल रहा था उसे फिर से बनाने की कोशिश करना और भी मुश्किल होने वाला है क्योंकि पॉल और उसके पाठकों के बीच पहले से ही बहुत अधिक बातचीत है।

जाहिर है, वह यह मान लेगा कि वे जानते हैं कि क्या हो रहा है और वह उन्हें जवाब देगा। लेकिन फिर, हमें 1 कुरिन्थियों के आधार पर प्रयास करने की कड़ी मेहनत करनी होगी, जो हम ऐतिहासिक रूप से जान सकते हैं उसके आधार पर यह पुनर्निर्माण करने का प्रयास करना होगा कि पॉल कुरिन्थ में चर्च में किन मुद्दों को संबोधित कर रहा था। वास्तव में दो तरीके हैं, पुस्तक को विभाजित करने के कुछ तरीके या 1 कुरिन्थियों की पुस्तक के बारे में सोचने के दो तरीके या इसकी योजना पर विचार करने के दो तरीके या इसे एक साथ कैसे रखा जाए।

उनमें से एक यह है कि आप पुस्तक को उस तरीके से विभाजित कर सकते हैं जिसमें पॉल ने कोरिंथियन चर्च के बारे में जानकारी प्राप्त की। दूसरे शब्दों में, पॉल के कुरिंथ छोड़ने के बाद, वहां डेढ़ साल बिताने और एक चर्च की स्थापना करने के बाद, पॉल को उन विभिन्न समस्याओं के बारे में कैसे पता चला जो उत्पन्न हुईं? खैर, पहले 6 अध्याय उन समस्याओं का समाधान करते प्रतीत होते हैं जो मौखिक रिपोर्ट के माध्यम से पॉल के पास आईं। तो, उसने किसी को यह कहते हुए सुना कि कुछ समस्याएं उत्पन्न हुई थीं और पहले 6 अध्यायों में, वह प्रत्येक समस्या को क्रम या प्रकार से लेता है जिसके बारे में उसे अवगत कराया गया है और उससे निपटता है।

जबकि अध्याय 7 से 16 में, पॉल लिखित रिपोर्टों का जवाब देता प्रतीत होता है। उदाहरण के लिए, अध्याय 7 के श्लोक 1 में, पॉल कहते हैं, अब उन मामलों के बारे में जिनके बारे में आपने लिखा है। तो, चाहे वह एक पत्र था या कुछ भी, फिर से, शायद तब कुरिन्थियों ने भी पॉल को एक पत्र लिखा था, लेकिन अब पॉल उन मुद्दों की एक श्रृंखला का जवाब देता है जिनके बारे में उसे पत्र के माध्यम से अवगत कराया गया है।

पत्र को विभाजित करने का दूसरा तरीका यह है कि इसे उस तरीके के अनुसार विभाजित किया जाए जिस तरह से इस समय के दौरान यहूदियों ने अक्सर अन्यजातियों का वर्णन किया होगा

और यह दो प्रमुख पापों के अनुसार है। आप इसे पुराने नियम में पाते हैं, आप इसे यहूदी साहित्य में पाते हैं, आप इसे नए नियम में कहीं और पाते हैं। यह एक सामान्य यहूदी समझ थी कि अन्यजातियों को मूल रूप से दो पापों का दोषी या दोषी माना जाता था, वह था यौन अनैतिकता और मूर्तिपूजा।

फिर, यह पूरे यहूदी साहित्य में दिखाई देता है और इसलिए पहले अध्याय, 5 से 7 तक, सभी को यौन अनैतिकता की समस्या से संबंधित मुद्दों की एक श्रृंखला को संबोधित करने के रूप में देखा जा सकता है। फिर, यह उन लोगों को एक सामान्य पाप की श्रेणी में रखता है जिसके लिए यहूदियों के अनुसार अन्यजाति दोषी थे। और फिर अध्याय 8 से 14 मूर्तिपूजा के मुद्दे को संबोधित करते हैं, जो कई यहूदियों के अनुसार अन्यजातियों का एक और विशिष्ट पाप है।

और फिर अध्याय 15, उसके चरमोत्कर्ष पर, पुनरुत्थान की आशा से संबंधित है। तो ये समझने के दो तरीके हैं कि 1 कुरिन्थियों को एक साथ कैसे रखा जाता है। जब आप 1 कुरिन्थियों को पढ़ते हैं, तो यह बहुत महत्वपूर्ण या बहुत स्पष्ट हो जाता है कि पॉल कई मुद्दों और कई समस्याओं को लेता है और उनसे निपटता है और उन्हें अक्सर इस वाक्यांश द्वारा पेश किया जाता है, अब संबंधित है।

तो अब मूर्तियों को चढ़ाए गए मांस के विषय में, अब आत्मिक उपहारों के विषय में, अब इस विषय में, अब उन विषयों के विषय में जिनके विषय में तू ने लिखा है। तो ऐसा लगता है कि पॉल कई मुद्दों से निपट रहे हैं, लेकिन फिर, उन्हें इन दो योजनाओं में से एक के अनुसार वर्गीकृत किया जा सकता है। तो यह 1 कुरिन्थियों में क्या हो रहा है उसे व्यवस्थित करने और समझने का एक तरीका है।

मुझे यह बहुत सम्मोहक लगता है क्योंकि दिलचस्प बात यह है कि पॉल पुराने नियम के परिप्रेक्ष्य से कोरिंथियन की कई समस्याओं को संबोधित करने जा रहा है। और यह लगभग वैसा ही है जैसे वह कुरिन्थियों की समस्या और उन समस्याओं के समाधान पर भी पुराने नियम का स्पिन डाल रहा है। अब, जब हम सवाल पूछते हैं तो क्यों... हाँ, आगे बढ़ें।

यह 5 से 7 तक होना चाहिए। हम अध्याय 1 से 3 के बारे में और वहां क्या चल रहा है, इसके बारे में थोड़ी बात करेंगे। लेकिन पॉल को सबसे पहले 1 कुरिन्थियों को क्यों लिखना पड़ा? दूसरे शब्दों में, वे कौन से मुद्दे या कुछ समस्याएं थीं जिनके कारण पॉल को बैठकर यह पत्र लिखना पड़ा? और जैसा कि मैंने कहा, पॉल ने आधुनिक ग्रीस में अखाया की राजधानी, कोरिंथ शहर में एक चर्च की स्थापना में डेढ़ साल बिताया था। जाने के बाद, कुछ मुद्दे और समस्याएँ उत्पन्न हुईं जो चर्च में घुसपैठ कर चुकी थीं जिनके बारे में अब पॉल ने मौखिक रूप से और लिखित रूप से सुना है।

और अब वह बैठता है और समस्याओं की इस श्रृंखला का जवाब देने के लिए यह पत्र लिखता है। दरअसल, फिर से, यह पॉल द्वारा लिखा गया दूसरा पत्र है जिसे हम 1 कुरिन्थियों कहते हैं। तो फिर उसे यह क्यों लिखना पड़ा? कुरिन्थ में चल रही कुछ प्रमुख समस्याएँ क्या थीं? खैर, मैं उनमें से दो पर प्रकाश डालना चाहता हूं, हालांकि ऐसा लगता है कि कई हैं।

और जिस तरह से इन्हें संक्षेप में प्रस्तुत किया जा सकता है वह बस यही है। ऐसा लगता है कि कोरिंथियन संस्कृति अब चर्च में घुसपैठ कर चुकी है। दूसरे शब्दों में, जिस तरह से चीजें हुईं, जिस तरह से लोगों ने व्यापार किया या जो चल रहा था, और जिस तरह से कोरिंथियन धर्मनिरपेक्ष संस्कृति में लोगों ने सोचा था, उसने अब चर्च में घुसपैठ कर ली है और कई समस्याएं पैदा की हैं, जिन्हें पॉल अब संबोधित करने जा रहा है।

कुछ मुद्दे थे, उनमें से एक नेतृत्व का संकट था। बहुत पहले की बात याद है, मुझे लगता है कि इस कक्षा के पहले या दो सप्ताह के बारे में, निश्चित रूप से , आपको याद होगा कि बहुत पहले, हमने कुछ सांस्कृतिक मूल्यों के बारे में थोड़ी बात की थी, उनमें से एक संरक्षक-ग्राहक संबंध है। अर्थात्, एक संरक्षक समाज का कुछ महत्वपूर्ण स्थिति वाला एक धनी सदस्य होता था जो आमतौर पर समाज के किसी गरीब सदस्य, निम्न सामाजिक स्थिति वाले किसी व्यक्ति को राजनीतिक या अन्यथा उस व्यक्ति के समर्थन के बदले में किसी प्रकार का लाभ देता था।

दूसरे शब्दों में, वह व्यक्ति चारों ओर घूमकर और सभी को यह बताकर संरक्षक को वापस भुगतान करेगा कि वह कितना अद्भुत है, कुछ इस तरह। इसलिए कोरिंथ इस सांस्कृतिक मूल्य में डूबा हुआ था और उसके संरक्षक, एक निश्चित सामाजिक स्थिति के धनी व्यक्ति थे। और सामाजिक स्थिति बहुत महत्वपूर्ण थी.

कोरिंथियंस ने कोरिंथियन समाज में अपने नेताओं को उनकी सामाजिक स्थिति के संदर्भ में देखा होगा और यह उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा होगा। जिसे सोफिस्ट कहा जाता है, उसके प्रभाव की भी संभावना थी, जो ग्रीक शब्द सोफोस से आया है, जिसका अर्थ ज्ञान है। एक सोफिस्ट एक बुद्धिमान शिक्षक था और सोफिस्ट मूल रूप से प्रतिस्पर्धा करता था, वे ये बुद्धिमान शिक्षक होते थे जो निम्नलिखित के लिए प्रतिस्पर्धा करते थे।

और इसलिए, नेताओं के बीच यह प्रतिस्पर्धा, यह राजनीतिक तकरार, रुतबे को बढ़ावा देना, रुतबे के लिए होड़, सामाजिक रुतबे और धन पर जोर, यह पहली सदी के कोरिंथ में एक बहुत ही महत्वपूर्ण कारक, सामाजिक कारक रहा होगा। मेरी राय में, उन मुद्दों में से एक जिसने कई समस्याएं खड़ी की होंगी, और मुझे लगता है कि कुछ समस्याओं की व्याख्या करता है जिनके बारे में हम 1 कुरिन्थियों में पढ़ने जा रहे हैं। एक और समस्या जिसके बारे में हम पहले ही बात कर चुके हैं वह है यौन अनैतिकता की समस्या।

हालाँकि ग्रीको-रोमन साम्राज्य में, निश्चित रूप से सीमाएँ और सीमाएँ थीं, कुछ यौन गतिविधियाँ जिन्हें वे हेय दृष्टि से देखते थे और अस्वीकार्य होती थीं, कामुकता के प्रति रोमन रवैया स्पष्ट रूप से ईसाइयों की तुलना में कहीं अधिक खुला और कहीं अधिक स्वतंत्र और ढीला था। पड़ा है. और इसलिए, विशेष रूप से कुछ धार्मिक प्रथाओं और बुतपरस्त धर्मों के साथ कुछ धार्मिक उत्सवों के संबंध में, उन सभी को एक साथ जोड़ते हुए, यदि पॉल ने कोरिंथ में बिताए उस 18 महीने की अवधि के दौरान कई कोरिंथियन ईसाई आए, यदि उनमें से कुछ ईसाई आए उस माहौल से बाहर और अब भी खुद को उसी माहौल में पाते हैं, तो जाहिर तौर पर यह उनके लिए एक समस्या होगी। और मुझे लगता है कि पॉल जिन कई मुद्दों को संबोधित करता है, वे कामुकता के प्रति कई ग्रीको-रोमन विचारों से संबंधित हैं।

तो कोरिंथियन समाज और ग्रीको-रोमन दुनिया में ये दो बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दे या प्रकार के दृष्टिकोण या मूल्य हैं जिन्होंने चर्च में घुसपैठ की और कई समस्याएं पैदा करना शुरू कर दिया। और अब पॉल 1 कुरिन्थियों में उन लोगों को संबोधित करना शुरू करेंगे। इसलिए, मैं जो करना चाहता हूं वह यह है कि मैं 1 कुरिन्थियों में केवल कुछ महत्वपूर्ण अंशों को देखना चाहता हूं और जो कुछ हम 1 कुरिन्थियों के पत्र के बारे में जानते हैं , बल्कि यह भी देखते हुए कि हम कुरिन्थ शहर के बारे में क्या जानते हैं, उसका पुनर्निर्माण करने का प्रयास करना चाहते हैं। हमने जो कुछ बातें कहीं, क्या हम शायद उस स्थिति का पुनर्निर्माण कर सकते हैं जिसके कारण पॉल को वह लिखना पड़ा जो उसने किया? और यह हमें कुरिन्थियों के इन विभिन्न वर्गों में जो कुछ पढ़ता है उसे समझने में कैसे मदद कर सकता है? इनमें से कुछ पर मैं बहुत संक्षेप में बात करूंगा, लेकिन कुछ पर मैं अधिक समय तक विचार करूंगा, थोड़ा और समय बिताऊंगा और थोड़ा और विस्तार से बताऊंगा।

पहला अध्याय 1 से 3 है। अध्याय 1 से 3 में, पॉल यहीं पर इस मुद्दे को संबोधित करता है कि कोरिंथियन अन्य प्रेरितों और अन्य चर्च नेताओं के साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं। और इसलिए, उदाहरण के लिए, पॉल इस प्रकार अध्याय 1 से शुरू करता है और श्लोक 10 से शुरू करता है। यह पहली समस्या है जिसे पॉल संबोधित करता है।

और एक तरह से, वह इन अध्यायों में जो कहता है वह कई अन्य समस्याओं को भी समझाने में मदद करता है। यह एक तरह से कोरिंथियन सोच और ग्रीको-रोमन सोच का संकेत है और इसने चर्च को कैसे प्रभावित किया है। तो, यह श्लोक 10 में अध्याय 1 है।

अब हे भाइयो और बहनो, मैं तुम से हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम से विनती करता हूं, कि तुम सब एक मत हो, और तुम्हारे बीच कोई फूट न हो, परन्तु एक ही मन और एक ही प्रयोजन में एक हो। क्योंकि क्लो के लोगों ने मुझे इसकी सूचना दी है, ऐसा लगता है कि यह उस मौखिक संदेश का स्रोत है जो कुरिन्थ की कुछ समस्याओं के बारे में पॉल तक पहुंचा है। तो वह कहता है, क्लो के लोगों ने मुझे बताया है, कि हे मेरे भाइयो, तुम में झगड़े हो रहे हैं।

और इसलिए यह सवाल उठता है कि किस तरह के झगड़े? वे किस लिए लड़ रहे हैं? इस विभाजन का कारण क्या है जिसके कारण पॉल अब इतना चिंतित है? और वह आगे बढ़ता है और श्लोक 12 में कहता है, मेरा मतलब यह है। तुम में से हर एक कहता है कि मैं पौलुस का हूं, या मैं अपुल्लोस का हूं, या मैं कैफा का हूं, या मैं मसीह का हूं। क्या ईसा को विभाजित कर दिया गया है? क्या पॉल को आपके लिए क्रूस पर चढ़ाया गया था या आपने पॉल के नाम पर बपतिस्मा लिया था? अब, जो समस्या प्रतीत होती है और वह अध्याय तीन के माध्यम से जिस पर बात करने जा रहा है, वह यह है कि ये छंद सुझाव देते हैं कि विभाजन और झगड़ा इन प्रमुख हस्तियों के आसपास असंतोष के कारण हुआ था।

मैं पॉल का हूँ. मैं अपोलोस का हूँ। मैं कैफा वा पतरस का हूं।

अब, जब आप इसे फिर से पढ़ते हैं, तो आपको आश्चर्य होता है, अच्छा, उन्होंने ऐसा क्यों किया होगा? खैर, हमने अभी जो कहा, उसे देखते हुए ऐसा प्रतीत होता है कि कोरिंथियन अपने चर्च के नेताओं के साथ उसी तरह व्यवहार कर रहे थे जैसे वे कोरिंथियन समाज में नेताओं के साथ व्यवहार करने के आदी होते। यह सामाजिक स्थिति पर जोर देना है, यह संपूर्ण संरक्षक-ग्राहक गतिशीलता है, जिस तरह से उन्होंने इन सोफ़िस्टों के साथ व्यवहार किया जैसे कि सोफ़िस्ट बुद्धिमान शिक्षक हैं जो अनुयायियों के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। यदि यह सब किसी तरह इसमें शामिल हो, तो आप देख सकते हैं कि कोरिंथियन अब अपने चर्च के नेताओं और पॉल और अपोलोस और सेफस या पीटर जैसे प्रमुख चर्च के लोगों के साथ कैसा व्यवहार कर रहे होंगे, उन व्यक्तियों के साथ उसी तरह व्यवहार कर रहे होंगे जैसे वे करने के आदी थे। कोरिंथ शहर में उन नेताओं के साथ व्यवहार करना , जो ध्यान आकर्षित करने की होड़ कर रहे थे और उनके साथ उनके राजनीतिक दबदबे और उनकी सामाजिक स्थिति, वगैरह, वगैरह के आधार पर व्यवहार करना।

तो शायद अब पॉल यह समझ रहा है कि अब वह मूल रूप से उस समस्या का समाधान करने जा रहा है, उसकी प्रतिक्रिया यह है कि, यदि आप हमारे साथ इस तरह से व्यवहार करते हैं, यदि आप अपने चर्च के नेताओं के साथ इस तरह से व्यवहार करते हैं, तो आप प्रतिबिंबित कर रहे हैं, हाँ, आप कोरिंथ के ज्ञान को प्रतिबिंबित कर सकते हैं। , लेकिन कोरिंथ का ज्ञान वास्तव में मूर्खता है जब इसे भगवान के ज्ञान के मानक के विरुद्ध मापा जाता है, जो क्रूस पर चढ़ाए गए, अपमानित और पीड़ित प्रभु के सुसमाचार के इर्द-गिर्द घूमता है जो क्रूस पर मर गया। तो, पॉल मूल रूप से राजनीतिक स्थिति के लिए इस कोलाहल को कहते हैं, सामाजिक स्थिति के संदर्भ में चर्च के नेताओं के साथ वैसा ही व्यवहार करना जैसा आप धर्मनिरपेक्ष कोरिंथ में अपने नेताओं के साथ करते हैं और चारों ओर एकजुट होना और विभाजन पैदा करना, यह सब कोरिंथ की बुद्धिमत्ता को दर्शाता है, लेकिन जब इसे भगवान की बुद्धि के खिलाफ मापा जाता है क्रूस पर चढ़ाए गए और पीड़ित प्रभु का सुसमाचार, वह ज्ञान वास्तव में मूर्खता बन जाता है। इसलिए वह कुरिन्थियों से आह्वान करते हैं कि वे अपने नेताओं के साथ उसी तरह का व्यवहार करना बंद करें जैसा वे धर्मनिरपेक्ष कोरिंथ में अपने नेताओं के साथ करने के आदी हैं, बल्कि उनके साथ यीशु मसीह के सुसमाचार के अनुरूप अधिक व्यवहार करें।

तो यह समस्या नंबर एक है। तो, पहले तीन अध्यायों में, पॉल केवल सामान्य रूप से विभाजन या झगड़ने और प्रतिस्पर्धा करने की मानवीय प्रवृत्ति को संबोधित नहीं कर रहा है। फिर से, ऐसा लगता है कि वह एक बहुत ही विशिष्ट समस्या का समाधान कर रहे हैं जो कोरिंथियन संस्कृति और जिस तरह से कोरिंथियन अपने नेताओं के साथ व्यवहार करते हैं उसके कारण उत्पन्न हुई है।

फिर, सामाजिक स्थिति और उसके आलोक में नेताओं के साथ व्यवहार, संरक्षक-ग्राहक संबंध। यह भी एक कारण हो सकता है कि पॉल और यह बाद में 1 कुरिन्थियों में स्पष्ट हो गया, लेकिन यह भी हो सकता है कि पॉल ने कुरिन्थियों के वित्तीय समर्थन से इनकार कर दिया। जबकि वह अधिकांश अन्य चर्चों से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए काफी इच्छुक था, लेकिन कोरिंथ में उसने ऐसा नहीं किया।

इसके बजाय, उसने आजीविका कमाने के लिए अपना खुद का व्यवसाय स्थापित किया, और शायद इसलिए कि वह खुद को इससे दूर रखना चाहता था, आप जानते हैं, अगर उसे वित्तीय सहायता मिलती, तो उसे इस पूरे राजनीतिक झगड़े और सामाजिक स्थिति के आलोक में माना जा सकता था और संरक्षक-ग्राहक संबंध, वगैरह। इसलिए, वह इससे बचना चाहता था, और इसलिए ऐसा लगता है कि कुरिन्थियों के साथ, वह एक अलग रणनीति अपनाता है। और यदि आप फिलिप्पियों को लिखे पत्र को पढ़ेंगे, जिसे हम बाद में देखेंगे, तो उन्हें ख़ुशी से उनका वित्तीय समर्थन प्राप्त हुआ, ताकि वह उनकी ओर से सुसमाचार फैलाने के लिए खुद को पूरी तरह से समर्पित कर सकें।

लेकिन जब कुरिन्थियों की बात आई, तो कुछ समस्याओं के कारण पॉल ने स्वयं अपनी जीविका के लिए काम करना शुरू कर दिया। अध्याय 5. 1 कुरिन्थियों अध्याय 5. फिर से, हम आगे बढ़ेंगे। हम हर अध्याय को नहीं छूएंगे।

मैंने उनमें से कुछ को ही चुना है। अध्याय 5 एक बहुत ही दिलचस्प पाठ है, और मुझे लगता है कि इसे केवल तभी समझाया जा सकता है जब हम फिर से कुछ पृष्ठभूमि और समस्याओं को समझते हैं जिन्होंने 1 कुरिन्थियों 5 में इस मुद्दे को जन्म दिया होगा, और पॉल को इसे संबोधित करना पड़ा होगा। और इस तरह अध्याय 5 शुरू होता है।

यह एक विचित्र पाठ है, कम से कम कुछ मायनों में हमारे लिए। वह कहते हैं, कविता शुरू करते हुए, यह अध्याय 5 है। वास्तव में यह बताया गया है कि आपके बीच यौन अनैतिकता है और उस तरह की जो अन्यजातियों के बीच भी नहीं पाई जाती है। दूसरे शब्दों में, मूल रूप से पॉल जो कह रहा है, वह केवल बयानबाजी नहीं है।

मेरा मानना है कि वह एक ऐसी स्थिति का वर्णन करने जा रहा है जिसकी धर्मनिरपेक्ष कोरिंथियन समाज में भी निंदा की जाएगी और उसे हेय दृष्टि से देखा जाएगा। वह कहते हैं, उस प्रकार का जो बुतपरस्तों में भी नहीं पाया जाता। एक आदमी अपने पिता की पत्नी के साथ रह रहा है, जो संभवतः उसकी सौतेली माँ का स्पष्ट संदर्भ है, न कि उसकी जैविक माँ का।

लेकिन यहाँ एक ऐसी आश्चर्यजनक बात है। यदि आपको लगता है कि यह आश्चर्यजनक है, तो वह आगे बढ़ता है और कहता है, लेकिन, और आप इसके बारे में अहंकारी हैं, या आप इसके बारे में घमंड करते हैं। क्या आपको शोक नहीं मनाना चाहिए था? जो कुछ हो रहा है उसके कारण दुखी होना शोक नहीं है, बल्कि पुराने नियम में शोक करना पश्चाताप का संकेत था।

तो, वह मूल रूप से कह रहा है, बल्कि आपको इसका पश्चाताप करना चाहिए। इसके बजाय, आप घमंड कर रहे हैं और आप अहंकारी हैं क्योंकि यह व्यक्ति आपके बीच में है और आपके बीच में, वह चर्च का जिक्र कर रहा है। आपके चर्च में यह व्यक्ति है जो अपने पिता की पत्नी, अपनी सौतेली माँ के साथ सो रहा है, और आप पश्चाताप करने और ऐसा करने के बजाय इस पर घमंड कर रहे हैं कि जिसने ऐसा किया है वह आपके बीच से हटा दिया गया होता।

इसलिए इस व्यक्ति से निपटने के बजाय, वे इसके बारे में शेखी बघार रहे हैं और इसे सहन कर रहे हैं। तो, सवाल यह है कि मेरा मतलब यह है कि इससे कई अन्य प्रश्न खड़े होते हैं। क्या हो रहा है? इस व्यक्ति द्वारा ऐसा कार्य करने का क्या कारण होगा? और दुनिया में चर्च इसे क्यों सहन करेगा और इस पर घमंड क्यों करेगा? कुछ ऐसा जो पॉल कहता है, यहां तक कि धर्मनिरपेक्ष बुतपरस्त कोरिंथियन भी इसे हेय दृष्टि से देखते हैं और इसे बर्दाश्त भी नहीं करते हैं, फिर भी आप ऐसा करते हैं।

सबसे पहले, समस्या स्पष्ट रूप से है, समस्या स्पष्ट रूप से यह प्रतीत होती है और ध्यान दें कि पॉल उस व्यक्ति को स्वयं या उस व्यक्ति की सौतेली माँ को संबोधित नहीं करता है। इसके बजाय, उसका मुद्दा क्या है, और हाँ, वह इस बारे में परेशान होता, लेकिन पॉल वास्तव में जिस बात से परेशान है, वह आदमी के यौन पाप नहीं हैं, बल्कि यह तथ्य है कि चर्च अहंकारपूर्वक इसे सहन करता है। इसलिए, यहां मुख्य मुद्दा यह है कि चर्च स्थिति से निपटने के बजाय इसे सहन कर रहा है और, जैसा कि वह कहता है, उस व्यक्ति को अपने बीच से हटा रहा है।

और हम थोड़ी देर में इसके बारे में और भी बात करेंगे। तो फिर, उनकी समस्या का समाधान यह है कि कोरिंथियन चर्च को चर्च की शुद्धता बनाए रखने के लिए इस अनैतिक व्यक्ति को निष्कासित कर देना चाहिए। फिर, यह बहुत दिलचस्प है, पॉल नहीं कहता है, पॉल इस व्यक्ति के बारे में बहुत कम कहता है, लेकिन चर्च जिस तरह से स्थिति से निपट रहा है और जिस तरह से वे इसे सहन कर रहे हैं और इसके बारे में कुछ नहीं कर रहे हैं, उसके बारे में वह सब कुछ कहता है।

अब, कुछ प्रश्नों का समाधान करने के लिए। सबसे पहले, क्यों, फिर से, पहला सवाल यह है कि यह व्यक्ति पहले स्थान पर क्यों होगा, वह क्यों होगा, और इस पाठ में यह स्पष्ट नहीं है कि क्या उसने वास्तव में अपनी सौतेली माँ से शादी की है या क्या वह शादी के बाहर उसके साथ रह रहा है , लेकिन किसी भी मामले में, पॉल इसके बारे में परेशान है और हम बस एक पल में देखेंगे कि उसे क्यों मना किया गया होगा। लेकिन फिर, यह व्यक्ति कुछ ऐसा कर रहा है जिसे ग्रीको-रोमन समाज भी हेय दृष्टि से देखेगा।

वह ऐसा क्यों कर सकता है? संभवतः, कुछ स्पष्टीकरण हो सकते हैं और मुझे यकीन नहीं है कि कौन सा है, लेकिन एक स्पष्टीकरण यह हो सकता है कि यह व्यक्ति अपनी सौतेली माँ से शादी क्यों करेगा क्योंकि शायद उसके पिता का निधन हो गया है या उनका तलाक भी हो सकता है और क्या हो सकता है कि अगर इस सौतेली माँ ने किसी और से शादी कर ली, तो पिता की विरासत उसके साथ चली जाएगी। इसलिए, अपनी सौतेली माँ से शादी करके, हो सकता है कि वह किसी और से शादी करने के बजाय परिवार में पैसा रखने की कोशिश कर रहा हो और इसमें से कुछ या सारा पैसा अपने नए जीवनसाथी के साथ ले जा रहा हो। तो यह एक कारण हो सकता है कि वह परिवार में पैसा रखने की कोशिश करने के लिए अपनी सौतेली माँ से शादी करेगा।

अन्य कारण भी हो सकते हैं, मुझे यकीन नहीं है क्योंकि पाठ मौन है, लेकिन उन पंक्तियों के साथ इसके लिए स्पष्टीकरण हो सकता है। लेकिन दूसरा सवाल यह है कि चर्च इसे क्यों बर्दाश्त करेगा? हम जिस पृष्ठभूमि के बारे में बात कर रहे हैं, उसके बारे में थोड़ा सोचें। चर्च इस व्यक्ति

को बर्दाश्त करने और यहाँ तक कि उसके बारे में शेखी बघारने को क्यों तैयार होगा? फिर, आप सोचते हैं, ठीक है, यह निश्चित रूप से एक चर्च है।

निश्चित रूप से, उन्हें एहसास होगा कि यह एक यौन पाप है जिसकी धर्मनिरपेक्ष ग्रीको-रोमन दुनिया और कोरिंथ में भी अनुमति नहीं है। वे इसे नज़रअंदाज़ करने और सहन करने, यहाँ तक कि इस पर शेखी बघारने के लिए क्यों तैयार होंगे? उन्हें पता ही नहीं चला कि क्या? ठीक है, तो शायद वे इसके या इसे देखने के इतने आदी हो गए हैं कि उन्हें नहीं लगता कि यह उनके लिए आदर्श से बाहर है। ठीक है, तो शायद यह देखते हुए कि हमने ग्रीको-रोमन समाज में व्याप्त अनैतिकता के बारे में क्या बात की है, क्या यह संभव है कि उन्होंने इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचा? यह एक संभावना है.

और क्या? और कुछ? क्या ऐसा हो सकता है कि वे शेखी बघार रहे थे कि उनका... ठीक है। हाँ, क्या वे थे... शायद उन्होंने पॉल को इस बारे में बात करते हुए सुना था कि हम विश्वास के माध्यम से अनुग्रह से कैसे बचाए जाते हैं, और उन्होंने सोचा कि वे इस व्यक्ति का मूल्यांकन करने के बजाय उस पर जोर दे रहे थे। ठीक है।

क्या होगा यदि यह व्यक्ति समाज का एक प्रभावशाली व्यक्ति है जो संरक्षक हो सकता है? शायद यह उन स्थानों में से एक है जहां कोरिंथ में चर्च की बैठक हुई थी। आमतौर पर, वे किसी धनी व्यक्ति के घर में मिलते थे। लेकिन क्या होगा यदि यह एक धनी संरक्षक, समाज का प्रभावशाली व्यक्ति हो? यही कारण हो सकता है, मुझे संदेह है, उन्होंने उसे जाने क्यों दिया और इसे नज़रअंदाज कर दिया, क्योंकि वे खुद को इस वित्तीय स्रोत से अलग नहीं करना चाहते हैं, और वे इस सामाजिक स्थिति वाले किसी व्यक्ति के खिलाफ बोलना नहीं चाहते हैं और खड़े हैं, इसलिए वे इसे जाने देने को तैयार हैं, और इसके बजाय इस व्यक्ति पर समाज के एक प्रभावशाली सदस्य के रूप में घमंड करते हैं।

दूसरे शब्दों में, अध्याय 5 बहुत करीब हो सकता है, या अध्याय 1 से 3 के साथ विशेषताएं साझा कर सकता है, नेताओं के बारे में शेखी बघारना, सामाजिक स्थिति और राजनीतिक स्थिति आदि के आलोक में उनके साथ व्यवहार करना, संरक्षक, और शायद यह, फिर से, एक है धनी संरक्षक, सामाजिक प्रतिष्ठा वाला व्यक्ति, और इसलिए कोई भी इस आदमी को छूने नहीं जा रहा है, और वे उसे नज़रअंदाज करने को तैयार हैं। अब, कुछ अन्य बातें। मुझे लगता है कि इस अनुच्छेद को समझने की कुंजी न केवल धर्मनिरपेक्ष कोरिंथ की पृष्ठभूमि को समझना है, बल्कि यह भी समझना है कि पॉल जिस तरह से स्थिति का वर्णन करता है और उसका समाधान स्पष्ट रूप से पुराने नियम में निहित है।

उदाहरण के लिए, हमने बस पूछा, वे सहन करने और शेखी बघारने को क्यों तैयार थे। लैव्यव्यवस्था 18, लैव्यव्यवस्था 18 में हम लेखक को अनाचार और विभिन्न प्रकार के अनाचारपूर्ण रिश्तों की निंदा करते हुए पाते हैं। उनमें से एक है अपने पिता की पत्नी यानी सौतेली मां के साथ रिश्ता। तो, ऐसा प्रतीत होता है कि पॉल लैव्यव्यवस्था अध्याय 18 में अनाचार के विरुद्ध निषेधों के बारे में सोच रहा है।

आप यह भी पाते हैं कि व्यवस्थाविवरण भी अनाचार संबंधों पर रोक लगाता है। दूसरा, यह तथ्य कि वह मण्डली को एक साथ आने और निर्णय लेने के लिए कहता है, मण्डली की पुराने नियम की अवधारणा को दर्शाता है, भगवान के लोगों की सभा, इज़राइल, निर्णय या निर्णय लेने के लिए एक साथ आती है और साथ ही व्यवस्थाविवरण की पुस्तक में भी। दूसरे शब्दों में, पॉल इस स्थिति को पुराने नियम के चश्मे से देख रहा है।

वह विशेष रूप से व्यवस्थाविवरण, अन्य पुराने नियम के ग्रंथों से कोरिंथियंस को इस स्थिति को देखने के लिए एक लेंस और परिप्रेक्ष्य प्रदान करने का आह्वान कर रहा है। एक और है, विशेष रूप से व्यवस्थाविवरण की पुस्तक, लेकिन अन्य ग्रंथ समुदाय के भीतर पवित्रता बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर देते हैं, खासकर मंदिर में प्रवेश के लिए। यह दिलचस्प है, अध्याय 3 में, 1 कुरिन्थियों अध्याय 3 में सबसे प्रसिद्ध वाक्यांशों में से एक, पॉल अध्याय 3 में चर्च का वर्णन कैसे करता है? वह कहता है, क्या तुम नहीं जानते कि क्या? क्या तुम नहीं जानते कि तुम परमेश्वर का मन्दिर हो? पुराने नियम के मंदिर की कल्पना को अब कोरिंथ के चर्च में लागू किया जा रहा है, उनकी इमारत पर नहीं, बल्कि लोगों पर जब वे पूजा के लिए इकट्ठा होते हैं।

इसलिए, पॉल चर्च की कल्पना एक शुद्ध समुदाय, एक पवित्र मंदिर के रूप में करता है, और यही कारण है कि वह इस समुदाय, इस नए समुदाय, इस मंदिर की पवित्रता बनाए रखने के लिए इस व्यक्ति को बाहर निकालने या उसे अपने बीच से निकालने का आह्वान करता है। कोरिंथ में चर्च. इसलिए, फिर से, पॉल उस व्यक्ति को संबोधित करते हुए बहुत कुछ नहीं कहता है जो पाप कर रहा है, लेकिन उसके पास चर्च को भगवान के पुराने नियम के समुदाय की तर्ज पर एक पवित्र समुदाय के रूप में चित्रित करके कहने के लिए सब कुछ है। शुद्ध, यह उनके बीच से अशुद्धता को दूर करना था, उन्हें एक मंदिर के रूप में चित्रित करना जिसमें आपको केवल तभी प्रवेश दिया जा सकता था जब कोई शुद्ध हो। चर्च को इस तरह से चित्रित करके, पॉल ने चर्च से आह्वान किया कि वह इस व्यक्ति को बर्दाश्त न करे, चाहे उसकी सामाजिक स्थिति कुछ भी हो, बल्कि लोगों की शुद्धता बनाए रखने के लिए उसे अपने बीच से हटा दे।

जाहिर है, पाठ में एक संकेत है कि अंतिम लक्ष्य यह है कि इस व्यक्ति को बहाल किया जाएगा, लेकिन साथ ही, पॉल चर्च की असहिष्णुता को बर्दाश्त नहीं करेगा, तथ्य यह है कि वे सिर्फ हैं, या मैं हूं क्षमा करें, वह चर्च की सहनशीलता को बर्दाश्त नहीं करेगा, यानी कि शायद उसकी सामाजिक स्थिति के कारण वे इसे नज़रअंदाज कर देंगे। ठीक है, तो यह एक उदाहरण है कि कैसे मुझे लगता है कि कोरिंथ की स्थिति, पृष्ठभूमि के बारे में थोड़ा सा समझने से आपको मदद मिल सकती है। यदि यह एक ऐसा व्यक्ति है जो समाज का प्रभावशाली सदस्य है, तो अब आप देख सकते हैं कि वे उसे जाने क्यों देना चाहते हैं, लेकिन पॉल कहते हैं कि आप मूल्यांकन नहीं कर सकते, आप कोरिंथियन के मूल्यों के प्रकाश में इस स्थिति पर प्रतिक्रिया नहीं दे सकते समाज।

इसके बजाय, वह उन्हें उनकी स्थिति को एक नई रोशनी में देखने के लिए, भगवान के इस शुद्ध मंदिर समुदाय और उनके बीच में शुद्धता बनाए रखने की आवश्यकता के संदर्भ में देखने के लिए पुराने नियम के लेंस का एक सेट प्रदान करता है। ठीक है, 1 कुरिन्थियों अध्याय 7, एक और

दिलचस्प पाठ है। यह शुरू होता है, यह इस तरह का पहला खंड है कि पॉल अब स्पष्ट रूप से उन मुद्दों का जवाब देंगे जो लिखित रूप में, शायद एक पत्र के माध्यम से उनके पास आए हैं।

वह कहता है, अब जिन बातों के विषय में तू ने लिखा है, उनके विषय में यह पुरूष के लिये भला है या पुरूष के लिये अच्छा है कि वह किसी स्त्री को न छुए। अब, मैं आपको इस श्लोक के दो अलग-अलग अनुवाद दिखाता हूँ। यह एक पुरानी, नई अमेरिकी मानक बाइबिल है, आप में से कुछ के पास वह हो सकती है, और ऐसे अन्य संस्करण भी हो सकते हैं जो कुछ ऐसा ही करते हों।

यह नया संशोधित मानक संस्करण है, लेकिन जैसा कि आप इसे देखते हैं, शब्दांकन बहुत समान है, इन दोनों में क्या अंतर है? दोनों में क्या अंतर है? एक कठिन बात यह है कि इसका तात्पर्य यह है कि पॉल कह रहा है कि किसी पुरुष के लिए यह अच्छा है कि वह किसी महिला को न छुए, और फिर नीचे वाला, उद्धरण चिह्न, यही वे कहते हैं, और पॉल ऐसा करने जा रहा है। बहुत अच्छा। क्या हर कोई इसे सुनता है? एक बहुत ही सूक्ष्म अवलोकन.

यह यहाँ, अंतर विराम चिह्न है। जिस तरह से इसे विरामित किया गया है उससे पता चलता है कि पॉल ने यही कहा है। पॉल कुरिन्थियों को लिखने जा रहा है और उन्हें बताएगा कि किसी पुरुष के लिए किसी महिला को छूना अच्छा नहीं है।

इसलिए, ऐसा प्रतीत होता है कि पॉल व्यापक यौन अनैतिकता की समस्या का समाधान करने जा रहा है और वह चाहता है कि यह बंद हो। स्पर्श को समझना, आप जानते हैं, केवल शारीरिक स्पर्श नहीं, बल्कि एक यौन वस्तु के रूप में स्पर्श करना इस शब्द का तात्पर्य है। जबकि यह, ध्यान दें कि इसमें विराम चिह्न कैसे लगाया गया है, अब उन मामलों के बारे में जिनके बारे में आपने लिखा है, और ध्यान दें कि यह उद्धरण चिह्नों में है, एक पुरुष के लिए यह अच्छा है कि वह किसी महिला को न छुए।

यह इस बात का सारांश होगा कि कुरिन्थवासी क्या कह रहे थे और क्या सोच रहे थे। तो आप इसे कैसे विराम चिह्न लगाते हैं, इससे अध्याय सात को पढ़ने के तरीके में बहुत बड़ा फर्क पड़ेगा । क्या अध्याय सात में पॉल की प्रतिक्रिया चर्च में व्याप्त यौन अनैतिकता पर है, या यह उस बात की प्रतिक्रिया है जो कुरिन्थवासी कह रहे थे? वे ही कह रहे थे कि किसी पुरुष के लिए यह अच्छा है कि वह किसी महिला को यौन रूप से न छूए।

और फिर, उस दिन, मूलतः वही व्यक्ति आगे बढ़ रहा होगा। तो यह कौनसा है? कठिनाई यह है कि यदि आप वापस जा सकते हैं और नए नियम की मूल पांडुलिपियों को पढ़ सकते हैं, जो हमारे पास नहीं हैं, लेकिन जब पॉल ने मूल रूप से पहली शताब्दी में लिखा था, तो आपने जो पाया होगा, मुझे याद नहीं आ रहा है कि क्या मैं सेमेस्टर की शुरुआत में एक पांडुलिपि की तस्वीर लगाएं, लेकिन पहली शताब्दी में, जिस तरह से उन्होंने लिखा था, सबसे पहले, उन्होंने शब्दों या अक्षरों के बीच कोई रिक्त स्थान नहीं रखा होगा। सब कुछ एक साथ चलता.

दूसरा, उन्होंने बिना किसी विराम चिह्न, बिना अवधि, अल्पविराम, प्रश्न चिह्न या उद्धरण चिह्न के लिखा होगा। जैसे ही आप अपना अंग्रेजी अनुवाद पढ़ते हैं, कम से कम नए नियम में, आपकी बाइबिल के संपादकों और अनुवादकों द्वारा सभी अवधियों और अल्पविरामों और उद्धरण चिह्नों और विराम चिह्नों को वहां रखा जाता है। दिलचस्प बात यह है कि हमारे आधुनिक समय के अनुवाद, कुछ हद तक, उतने ही व्याख्या भी हैं जितने कि वे एक अनुवाद हैं।

वे सभी व्याख्याएँ हैं, और यहाँ तक कि जिस तरह से विराम चिह्न का उपयोग किया जाता है वह हमारे पढ़ने के तरीके को प्रभावित कर सकता है। मेरी राय में, मुझे लगता है कि अधिकांश लोग इस बात से सहमत होने लगे हैं कि हमें इसे इसी तरह से पढ़ना चाहिए, यह पॉल नहीं था जो कह रहा था कि एक पुरुष के लिए एक महिला को नहीं छूना अच्छा है, बल्कि यह कोरिंथियन थे जो यह कह रहे थे . तो फिर सवाल यह उठता है कि दुनिया में कुरिन्थवासी ऐसा क्यों कह रहे होंगे? कम से कम कुछ कोरिंथियन यह क्यों कह रहे होंगे कि एक पुरुष के लिए यह अच्छा है कि वह किसी महिला को यौन रूप से न छूए? दुनिया में किस चीज़ ने कुरिन्थियों को ऐसा कुछ कहने के लिए प्रेरित किया होगा? खैर, कुछ लोगों ने सुझाव दिया है, ठीक है, यह प्लेटोनिक प्रकार के द्वैतवाद या ज्ञानवादी प्रकार की सोच के कारण है।

याद रखें, सेमेस्टर की शुरुआत में, हमने विभिन्न ग्रीको-रोमन धार्मिक और दार्शनिक विकल्पों के बारे में बात की थी, और उनमें से एक प्लैटोनिज्म था, जो अन्य बातों के अलावा, प्लैटोनिज्म आध्यात्मिक और भौतिक दुनिया के बीच अंतर करता है। हो सकता है कि कुछ लोगों ने यह कहने की हद पार कर दी हो कि चूंकि अंतिम वास्तविकता आध्यात्मिक है, इसलिए हमें किसी भी शारीरिक और शारीरिक भूख से इनकार करना चाहिए। और इसलिए इसकी एक शाखा किसी भी शारीरिक संबंध से इनकार करना होगा।

और इसलिए, इस प्लेटोनिक प्रकार की सोच के कारण, जिसने कोरिंथ के चर्च को प्रभावित किया होगा, उनमें से कुछ किसी भी शारीरिक सुख को नकारने और इसके बजाय आध्यात्मिकता का पीछा करने की वकालत कर रहे होंगे, जिसका अर्थ है किसी भी प्रकार के यौन संबंधों में शामिल न होना। और फिर पॉल उस पर प्रतिक्रिया देने जा रहा है। अब, यह संभव है.

हालाँकि, यह भी संभव है कि जब आप आगे बढ़ें और अध्याय 7 पढ़ें, तो पॉल सभी प्रकार की सलाह देता है। वह उन पतियों और पत्नियों को संबोधित करते हैं जो विवाहित हैं। वह उन लोगों को संबोधित करते हैं जो तलाकशुदा हैं।

वह ऐसे लोगों को संबोधित करते हैं जो स्पष्ट रूप से तलाक लेने के बारे में सोच रहे हैं। वह उन लोगों को संबोधित करते हैं जो अकेले हैं और शादी के बारे में सोच रहे हैं, और शादी कर रहे हैं। वह ऐसे लोगों को संबोधित करते हैं जो अकेले हैं और शादी के बारे में नहीं सोच रहे हैं।

इसलिए, वह विभिन्न प्रकार के व्यक्तियों, पुरुषों और महिलाओं को संबोधित करता है, ताकि ऐसा न लगे कि आत्मा और पदार्थ के बीच यह प्लेटोनिक द्वैतवाद सभी समस्याओं की व्याख्या करता है। मुझे आश्चर्य है कि क्या यह अधिक तथ्य नहीं है कि दो चीजों के कारण, क्योंकि पॉल ने पत्र में कहीं और यौन अनैतिकता के मुद्दे को संबोधित किया है, और पहले का पत्र जो तकनीकी रूप से

1 कुरिन्थियों का है जो अब हमारे पास नहीं है, वह संबोधित करता प्रतीत होता है यौन अनैतिकता के मुद्दे. क्योंकि पॉल ने उस मुद्दे को संबोधित किया था और क्योंकि यह कुरिन्थ में बहुत बड़े पैमाने पर था, मुझे आश्चर्य है कि क्या कुछ कुरिन्थियों ने प्रतिक्रिया नहीं दी होगी, ठीक है, शायद यह सबसे अच्छा तरीका है, क्योंकि पॉल ने सावधान रहने की आज्ञा दी थी, और क्योंकि यह कुरिन्थ में बहुत बड़े पैमाने पर है, मुझे आश्चर्य है कि अगर कुछ कुरिन्थवासी सोच रहे थे, तो शायद यह बेहतर होगा कि हम इससे पूरी तरह बचें।

और यह कि कुछ लोग, यहां तक कि विवाह संबंध के भीतर भी, परहेज़ कर रहे थे। यद्यपि पॉल 1 कुरिन्थियों 7 में स्पष्ट है कि यौन संबंधों की सीमाएँ विवाह संबंध के भीतर हैं, यदि कुछ लोग विवाह संबंध से परहेज कर रहे थे, तो कुछ सोच रहे होंगे कि क्या उन्हें अपने जीवनसाथी को तलाक देना चाहिए, और कुछ जो एकल थे वे सोच रहे थे कि क्या उन्हें शादी भी कर लेनी चाहिए, या आदि, आदि। इसलिए पॉल, मुझे लगता है, 1 कुरिन्थियों 7 में इस मुद्दे से संबंधित कई समस्याओं को संबोधित करता है, फिर से, शायद अनैतिकता के खिलाफ चेतावनी के बारे में पॉल के कुछ आदेशों के कारण, और क्योंकि यह कोरिंथ में बहुत बड़े पैमाने पर था, मुझे आश्चर्य है कि अगर कुछ कोरिंथियन कह रहे थे, तो शायद यह बेहतर होगा कि हम इसे पूरी तरह से टाल दें और विवाह संबंध में भी इससे दूर रहें।

और इसलिए, पॉल, अध्याय 7 में, विवाहित लोगों, जो लोग तलाकशुदा हैं या तलाक पर विचार कर रहे हैं, जो लोग अकेले हैं और सोच रहे हैं कि क्या उन्हें शादी करनी चाहिए, आदि के लिए कई तरह के निर्देश प्रदान करता है। इसलिए एक बार फिर, अध्याय 7 सिर्फ नहीं है पॉल का बैठना और विवाह आदि आदि के विषय पर बोलना, फिर से, वह एक बहुत ही विशिष्ट मुद्दे और समस्या को संबोधित कर रहा है जो कोरिंथियन संस्कृति में जो चल रहा है उसके कारण कोरिंथियन चर्च में उत्पन्न हुआ है। अध्याय 7 के बारे में हम और भी बहुत कुछ कह सकते हैं, लेकिन इसमें संभवतः इस सेमेस्टर का शेष समय लगेगा।

हाँ यह सही है। या दूसरी संभावना भी, जिसके बारे में मुझे यकीन नहीं है, लेकिन कुछ लोगों ने सुझाव दिया है कि सभी कुरिन्थियों ने इस विषय पर एक जैसा नहीं सोचा होगा। तो हो सकता है कि पॉल अध्याय 7 में चर्च के भीतर एक अलग समूह या गुट को संबोधित कर रहा हो, जो अध्याय 5 में जो चल रहा था उसका समर्थन करने वालों से अलग हो। यह एक संभावना है, मुझे यकीन नहीं है।

हाँ, मुझे नहीं पता. हाँ, क्या यह संभव था? मेरा मतलब है, अधिकांश बड़े शहरों के बारे में हम जो जानते हैं, वैसे भी, वहाँ संभवतः कई छोटी मंडलियाँ रही होंगी। और क्या वे कभी-कभी एक साथ मिलते थे और एक समूह के रूप में मिलते थे, मुझे यकीन नहीं है।

कम से कम, मुझे लगता है कि मैंने कुरिन्थियों के लिए इसका उत्तर देने के लिए पर्याप्त रूप से नहीं सोचा है। क्या इसकी संभावना है कि वहाँ कई चर्च थे, या केवल एक ही था? या फिर, क्या ऐसे कई लोग थे जो कभी-कभी एक साथ मिलते थे? मैं निश्चित नहीं हूं कि 1 कुरिन्थियों के लिए इसका उत्तर कैसे दूं। यह सचमुच एक अच्छा प्रश्न है।

ठीक है, आगे बढ़ते हुए, 1 कुरिन्थियों 11। और मैं 1 कुरिन्थियों 11 के दूसरे भाग को देखना चाहता हूँ। 1 कुरिन्थियों अध्याय 11 में, पूरे अध्याय में, पॉल चर्च में मुद्दों को संबोधित करता है जब वे पूजा के लिए इकट्ठा होते हैं।

और यह समझना बहुत महत्वपूर्ण है। पॉल यह संबोधित नहीं कर रहा है कि कोरिंथियन अपने आप क्या करते हैं, हालाँकि उसके पास इसके बारे में कहने के लिए बहुत कुछ है, वह इस बात को संबोधित नहीं कर रहा है कि कोरिंथियन अपने घरों में क्या करते हैं या वे व्यक्तिगत रूप से या अन्य समूहों और समाजों और चीजों में क्या करते हैं। वह अध्याय 11 और 12 से 14 में संबोधित कर रहा है, अगले भाग में हम देखेंगे, वह उन मुद्दों को संबोधित कर रहा है जो तब उभरे थे जब कोरिंथियन पूजा के लिए एकत्र हुए थे।

फिर, चाहे वह अलग-अलग घरों में हो या विशेष रूप से एक घर में, मैं बिल्कुल निश्चित नहीं हूं कि पॉल यहां क्या कल्पना कर रहा है। इसलिए, अध्याय 11 चर्च की समस्या को संबोधित करता है जब वह पूजा के लिए इकट्ठा होता है। और अध्याय 11 का दूसरा भाग वह है जिस पर मैं ध्यान केंद्रित करना चाहता हूं, अध्याय 11 के छंद 17 से 34 तक।

अब, यहां बताया गया है कि वह श्लोक 17 से कैसे शुरू करते हैं। वह कहते हैं, अब, निम्नलिखित निर्देशों में, मैं आपकी सराहना नहीं करता, जैसे कि उनके पास अब तक उनके लिए कई प्रशंसाएं हैं, क्योंकि जब आप एक साथ आते हैं, तो यह नहीं होता है बेहतर, लेकिन बदतर के लिए. आरंभ करने के लिए, जब आप एक चर्च के रूप में एक साथ आते हैं, तो मैं चाहता हूं कि आप पॉल के बोलने के तरीके में विडंबना या विरोधाभास पर ध्यान दें।

आरंभ करने के लिए, जब आप एक चर्च के रूप में एक साथ आते हैं, तो मैंने सुना है कि आपके बीच विभाजन हैं। तो, विडंबना या विरोधाभास पर ध्यान दें। वे एक चर्च के रूप में एक साथ आते हैं, लेकिन वे वास्तव में एक साथ नहीं आ रहे हैं क्योंकि उनके बीच अभी भी विभाजन हैं।

और इसलिए, मैं प्रस्तावित करूंगा कि पॉल अध्याय 11 में जो कहने जा रहा है वह अभी भी इस बात का परिणाम है कि धर्मनिरपेक्ष कोरिंथ में दिन-प्रतिदिन की जिंदगी में चीजें कैसे चलती हैं। सामाजिक स्थिति के बीच विभाजन, विशेष रूप से अमीर और गरीब, संरक्षक ग्राहकों के बीच विभाजन, इस प्रकार के विभाजन अब चर्च में छाने जा रहे हैं और उस समस्या का कारण बन रहे हैं जिसे पॉल अध्याय 11 में संबोधित करने जा रहा है। इसलिए, वह कहते हैं, आप आएं एक चर्च के रूप में एक साथ, लेकिन वास्तव में, आप एक साथ नहीं आ रहे हैं क्योंकि आपके बीच विभाजन हैं।

अब, इसके बाकी हिस्सों में, वह कहते हैं, कविता 19 से शुरू करते हुए, वास्तव में, आपके बीच गुट होना चाहिए, केवल तभी यह स्पष्ट हो जाएगा कि आप में से कौन हैं जब आप एक साथ आते हैं, तो यह वास्तव में भगवान का खाना नहीं है रात का खाना। तो, यह पॉल का मुख्य मुद्दा है। जब चर्च एक साथ आता है तो वे प्रभु भोज में भाग लेते हैं, या आप इसे यूचरिस्ट या कम्युनियन या अन्य शब्दों में कह सकते हैं जिसे हम कहते हैं।

इस पाठ में, उन्होंने इसे प्रभु भोज कहा है। वह कहते हैं, जब आप एक साथ आते हैं, तो यह वास्तव में प्रभु का भोज नहीं है जो आप खाते हैं। तो, जब वे भोज या प्रभु भोज के लिए एकत्रित होते हैं, तो वास्तव में ऐसा नहीं हो रहा होता है।

वह कहता है, क्योंकि जब खाने का समय आता है, तो तुम में से हर एक अपना अपना भोजन कर लेता है, और एक भूखा रह जाता है, और दूसरा मतवाला हो जाता है। वह कहता है, क्या? क्या तुम्हारे पास खाने-पीने के लिए घर नहीं हैं? या क्या आप परमेश्वर की कलीसिया का तिरस्कार करते हैं और उन लोगों को अपमानित करते हैं जिनके पास कुछ नहीं है? अब, यहाँ क्या हो रहा है? सबसे पहले, यह महसूस करना महत्वपूर्ण है कि पहली सदी में उन्होंने जिस तरह से सहभागिता की थी वह हमारी आदत से थोड़ा अलग हो सकता है। कम से कम सभी परंपराओं में मैं बड़ा हुआ हूं और अंत में, आमतौर पर यह महीने में एक रविवार होता है।

हालाँकि जब मैं स्कॉटलैंड में था, तो यह बहुत अधिक होता था और मैंने इसका आनंद लिया। लेकिन जिन चर्चों में मैं पला-बढ़ा हूं, वहां आम तौर पर महीने में एक बार हम साम्य रखते हैं और आपके स्तुति बैंड और आपके उपदेश के साथ सेवा सामान्य रूप से चलती रहती है। और अंत में, फिर प्रवेशकर्ता आते हैं और भोज होता है और हर कोई अभी भी बैठा होता है और रोटी बांटी जाती है और आप इसे खाते हैं।

और फिर कप पास हो जाता है और आप इसे पीते हैं। और फिर स्तुति बैंड वापस आता है और कुछ गाता है और आप दरवाजे से बाहर हो जाते हैं। अब, पहली शताब्दी में, ऐसा नहीं था।

आम तौर पर, कम्युनिकेशन उस भोजन के संदर्भ में हुआ होगा जिसे चर्च ने एक साथ खाया होगा। और इसीलिए खाने और कुछ के नशे में धुत होने और कुछ के दूसरों के आने से पहले खाने का यह संदर्भ, यह चर्च के भोजन के संदर्भ में रहा होगा जो कहीं न कहीं, शायद इसके अंत में, प्रभु भोज के उत्सव में चरमोत्कर्ष पर होगा साम्य या यूचरिस्ट या प्रभु भोज। अब, फिर से समस्या यह है कि कुरिन्थियों के साथ समस्या क्या है? पॉल किस बात से इतना परेशान है? ऐसा कैसे है कि उनमें गुट हैं? या ऐसा कैसे है कि विभाजन हैं? और फिर पॉल यह क्यों कहता है कि यह वास्तव में प्रभु का भोज नहीं है जिसे आप मनाते हैं? तो, पॉल किस समस्या का समाधान कर रहा था? मुझे ऐसा लगता है, जैसा कि मैंने पहले ही कहा है, कि विभिन्न सामाजिक स्तरों की यह समस्या, जैसे कि संरक्षक-ग्राहक संबंध और समाज के अमीर कुलीन सदस्यों और गरीब सदस्यों के बीच अंतर, अब नीचे घुसपैठ कर चुकी है। चर्च और अब वे कम्युनियन मनाने के तरीके से भी बाहर आ रहे थे।

ताकि संभवतः जो चल रहा है, और यह, मुझे लगता है, एक प्रशंसनीय परिदृश्य है जब आप प्रारंभिक ग्रीको-रोमन स्रोतों को पढ़ते हैं और समझते हैं कि कोरिंथ में संभवतः क्या चल रहा था, सबसे अधिक संभावना है कि सबसे पहले कुछ अमीर सदस्य हैं कुल मिलाकर, कोरिंथ में चर्च या चर्चों की बैठक संभवतः किसी धनी सदस्य के घर में हुई होगी, शायद एक संरक्षक जिसने मूल रूप से इस छोटे से घर के चर्च के लिए अपने घर और वित्तीय संसाधनों की पेशकश की होगी। और इसलिए, हम शायद कोरिंथियन समाज में चर्च के एक अमीर सदस्य के, कम से कम उस दिन के लिए, एक काफी बड़े घर की स्थापना में हैं। अब, बहुत से धनी सदस्य शायद काम करने

की आवश्यकता पर इतने निर्भर नहीं रहे होंगे, और इसलिए वे सबसे पहले आने वाले और खाना शुरू करने वाले लोग रहे होंगे।

और दिलचस्प बात यह है कि नौकरों द्वारा शायद उन्हें भरपेट खाना परोसा जाता होगा। अब, गरीब सदस्य, यही कारण है कि पॉल उनसे कहता है, आप आते हैं और हर किसी के आने से पहले खाते हैं, बाद में पद 33 में, वह कहने जा रहा है, इसके बजाय, आपको हर किसी के लिए इंतजार करने की ज़रूरत है। वह ऐसा क्यों कहता है? सबसे अधिक संभावना है, गरीब सदस्य ही बाद में आये होंगे, शायद इसलिए कि उन्हें काम करना था और अमीर सदस्य नहीं आये होंगे।

इसके अलावा, अधिकांश अमीर, जो लोग पहले आए थे, उनमें से अधिकांश सामान्य भोजन स्थल पर गए होंगे, जहां सीमित संख्या में सीटें होंगी, और वे सभी पहुंचे होंगे और नौकरों द्वारा उन्हें पूरा भोजन परोसा जाएगा। . आने वाले गरीब सदस्यों को शायद घर के एक छोटे से कमरे में मिलना या बैठना पड़ा होगा, और उन्हें वास्तव में कम भोजन परोसा गया होगा, या तो हम शायद बचा हुआ भोजन कह सकते हैं, लेकिन वास्तव में कम भोजन दिया जाएगा। फिर, कोरिंथ में यही तरीका था, अमीर और गरीब के बीच का अंतर।

और इसलिए, आपके पास अमीर आ रहे हैं और वे खा-पी रहे हैं और अच्छा समय बिता रहे हैं और सबसे अच्छा भोजन खा रहे हैं और नौकरों द्वारा परोसा जा रहा है, और फिर आपके पास गरीब आ रहे हैं, शायद अपने काम के बाद, और वे खा रहे हैं कम भोजन, और पॉल कहते हैं, और आप इसे प्रभु भोज कहते हैं? आप उपयोग कर रहे हैं, उसका पूरा अभिप्राय यह है, आप कुछ ऐसा उपयोग कर रहे हैं जिससे मसीह में आपके मिलन और एकता का जश्न मनाया जाना चाहिए, इस तथ्य का कि आप सभी मसीह के एक शरीर से संबंधित हैं, आप कुछ ऐसा उपयोग कर रहे हैं जिसे आपकी एकता को बढ़ावा देना और व्यक्त करना चाहिए, आप 'आप इसका उपयोग विभाजन पैदा करने और आपके बीच सामाजिक विभाजन को और अधिक व्यक्त करने के लिए कर रहे हैं। इसी बात से पॉल इतना परेशान है। तो, इस निर्देश के अंत में, वह उनसे कहता है, मुझे सटीक श्लोक खोजने दो, वह कहता है, इसलिए, यह पद 27 है, इसलिए वह कहता है, इसलिए, जब भी, या जो कोई रोटी खाता है या प्रभु का कटोरा पीता है, अर्थात्, जो कोई भी, कुरिन्थियों, आप जैसे हैं, वैसे ही भोज में भाग लेता है, अयोग्य तरीके से, प्रभु के शरीर और रक्त के सामने जवाबदेह होगा।

और वह कहता है, इसके बजाय, अपने आप को जांचो। अब, उससे उसका क्या तात्पर्य है? क्योंकि, फिर से, अगर मैं कर सकता हूं, सिर्फ अपनी परंपरा का जिक्र करते हुए, कभी-कभी कम्युनियन सेवा के भीतर होता है, आमतौर पर पादरी इस कविता को पढ़ता है और कहता है कि, हमें खुद की जांच करने और यह सुनिश्चित करने के लिए बुलाया गया है कि हम कुछ नहीं कर रहे हैं अयोग्य तरीके से प्रभु का भोज करना, जिसका आमतौर पर अर्थ निकाला जाता है कि आपके जीवन में ऐसा पाप है जिसे आपने स्वीकार नहीं किया है। तो, आपके पास प्रत्येक पाप के बारे में सोचने के लिए लगभग तीन मिनट का समय है जो आपने पिछली बार कम्युनिकेशन में किया था, जो शायद एक महीने पहले हुआ था, और उनमें से कुछ के लिए, इस प्रकार, यह इससे अधिक हो सकता है अन्य।

लेकिन, मेरा मतलब है, आपको उन सभी पापों के लिए क्षमा मांगनी चाहिए जो आपने पिछले सप्ताह या महीने में या जो भी किए हों, और इस जोखिम के साथ कि आप कुछ भूल सकते हैं। और मैं वास्तव में ऐसे लोगों को जानता हूं जिन्होंने प्रभु का भोज लेने से इनकार कर दिया है, और मुझे लगता है कि मैंने पहले भी ऐसा किया है क्योंकि मुझे यकीन नहीं है कि मैं इसके योग्य हूं। मुझे लगता है कि मेरे जीवन में पाप है और मैं प्रभु का भोज लेने के योग्य नहीं हूं।

और मैं निश्चित रूप से यह नहीं कहना चाहता कि यह अनुचित है, लेकिन मुझे यकीन नहीं है कि पॉल का यही मतलब था। यदि आप इसे इसके संदर्भ में पढ़ें, तो वह किस समस्या का समाधान कर रहे हैं? समस्या अघोषित पाप नहीं है. समस्या विभाजन पैदा करने और चर्च के भीतर इन सामाजिक भेदों को कायम रखने के लिए प्रभु भोज का उपयोग करना है।

जैसा कि पॉल ने पहले कहा था, पद 21 से शुरू करते हुए, जब खाने का समय आता है, तो आप में से प्रत्येक अपना-अपना भोजन लेकर आगे बढ़ता है, और एक भूखा रह जाता है जबकि दूसरा नशे में हो जाता है। क्या, क्या तुम्हारे पास खाने के लिए घर नहीं हैं, या क्या तुम परमेश्वर की कलीसिया का तिरस्कार करते हो और उन लोगों को अपमानित करते हो जिनके पास कुछ नहीं है? तो, मुख्य गलती जो पॉल ने संबोधित की, या भगवान के भोज में अयोग्य तरीके से भाग लिया, वह ऐसा करना है जो किसी और को अपमानित या अपमानित करता है या उसे स्वीकार करने से इनकार करता है। अर्थात्, जब कोई विभाजन हो या आप किसी को नीचा दिखा रहे हों या अपमानित कर रहे हों या अस्वीकार कर रहे हों या किसी और के साथ आपका झगड़ा हो तो प्रभु का भोज लेना।

प्रभु भोज का इस तरह उपयोग करना जिससे विभाजन पैदा हो। तो फिर, एक आदरणीय परंपरा है जो भगवान के भोज में अयोग्य तरीके से भाग लेने और इसका क्या मतलब है, के आसपास विकसित हुई है। निश्चित रूप से, प्रभु भोज प्रभु भोज के प्रति हमारे दृष्टिकोण और स्वयं भगवान के प्रति हमारे दृष्टिकोण पर विचार करने का समय है, लेकिन शायद प्राथमिकता एक दूसरे के प्रति हमारा दृष्टिकोण होना चाहिए।

क्या हम प्रभु भोज में भाग ले रहे हैं जबकि वास्तव में हमने किसी अन्य को नीचा दिखाया है या अपमानित किया है या उसके साथ मतभेद या विभाजन पैदा किया है? पॉल का यही मतलब है जब वह कहता है कि आप अयोग्य तरीके से प्रभु का भोज ले रहे हैं। और इसलिए हमें खुद को परखना होगा. क्या हमने कुछ ऐसा किया है जिससे विभाजन पैदा हुआ है? क्या हमने किसी और को नीचा दिखाया है? यहां मसीह के शरीर और रक्त को पहचानने का मतलब यह समझना है कि यह प्रभु भोज यीशु मसीह की मृत्यु के आधार पर मसीह के शरीर के सदस्यों के रूप में भगवान के लोगों की एकता की घोषणा करता है।

और इसका उपयोग करना या इसके साथ किसी अन्य तरीके से व्यवहार करना अयोग्य तरीके से भाग लेना है। तो फिर, मुझे लगता है कि उस पृष्ठभूमि को समझना जिसने इस समस्या को जन्म दिया।

यह डॉ. डेव मैथ्यूसन अपने न्यू टेस्टामेंट इतिहास और साहित्य पाठ्यक्रम, 1 कुरिन्थियों पर व्याख्यान 16 में हैं।